भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

03.12.2025 के

तारांकित प्रश्न सं. 48 का उत्तर

मछलीपट्टनम और रेपल्ले रेलवे लाइन

***48. श्री बालाशौरी वल्लभनेनी:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या आंध्र प्रदेश में दिविसीमा और अवनीगड्डा के लोग काफी लंबे समय से मछलीपट्टनम और रेपल्ले रेल लाइन की मांग कर रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस परियोजना के पूरा होने के बाद इस छोटे से खंड से 55 किलोमीटर की रेल यात्रा और लगभग डेढ़ घंटे का समय बचेगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) माल की ढुलाई के लिए इस खंड की उपयोगिता का ब्यौरा क्या है क्योंकि यहां मछलीपट्टनम पत्तन भी बनने जा रहा है;

(घ) इस खंड का निर्माण काफी समय से लंबित रहने के कारणों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इस खंड को कब तक पूरा कर लिया जाएगा?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 03.12.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 48 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): मछलीपट्टनम और रेपल्ले पहले ही विजयवाड़ा जंक्शन के रास्ते मौजूदा रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। मछलीपट्टनम-गुडिवाड़ा-विजयवाड़ा का दोहरीकरण हाल ही में पूरा हो गया है, जिससे मछलीपट्टनम पत्तन तक संपर्कता में सुधार होगा।

मछलीपट्टनम से रेपल्ले के बीच सीधे और छोटी दूरी की रेल संपर्कता मुहैया कराने के लिए, नई रेल लाइन (45.30 कि.मी.) के निर्माण के लिए सर्वेक्षण कार्य स्वीकृत किया गया है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए फील्ड सर्वेक्षण शुरू कर दिया गया है।

इसके अलावा, क्षेत्र में संपर्कता में सुधार लाने के लिए, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने हेतु निम्नलिखित सर्वेक्षण स्वीकृत किए गए हैं:

क्र.सं.	सर्वेक्षणों के नाम	लंबाई (कि.मी. में)
1	मछलीपट्टनम-नरसापुर नई लाइन	74
2	रेपल्ले- बापट्ला नई लाइन	46
3	गूडूर-विजयवाड़ा चौथी लाइन	293
4	विजयवाड़ा बाईपास लाइन (इंदुपल्ली - दुग्गिराला)	49

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के पश्चात, परियोजना को स्वीकृत करने के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों से परामर्श करना आवश्यक होता है और अन्य आवश्यक अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि का मूल्यांकन शामिल हैं। चूंकि परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करना निरंतर चलने वाली गतिशील प्रक्रिया है, अतः सटीक समय-सीमा विभिन्न हितधारकों द्वारा मूल्यांकन और अनुमोदन पर निर्भर करती है।

आंध्र प्रदेश

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में काफी वृद्धि हुई है। आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली ऐसी अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	886 करोड़ रुपए/वर्ष (तेलंगाना सहित)
2025-26	9417 करोड़ रुपए

वर्ष 2009-14 और वर्ष 2014-25 के दौरान आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने के कार्यों का ब्यौरा निम्नानुसार हैं:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	363 कि.मी.	-
2014-25	1,582 कि.मी.	4 गुना से अधिक)

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, 70,231 करोड़ रुपए की लागत पर आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली कुल 4,498 किलोमीटर लंबाई की 39 परियोजनाओं (12 नई लाइन और 27 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है, जिनमें से 1,179 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2025 तक 28,039 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। इन कार्यों का सार निम्नानुसार है:-

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	पूरा किए जाने वाला शेष कार्य (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	12	1595	199	1395	6413
दोहरी लाइन	27	2904	979	1925	21626
कुल	39	4498	1179	3320	28,039

आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1	विजयवाड़ा-गुडिवाडा-भीमवरम-नरसापुर, गुडिवाडा - मछलीपट्टनम और भीमवरम-निडदवोलू दोहरीकरण (221 कि.मी.)	4688
2	गुंटूर-तेनाली दोहरीकरण (24 कि.मी.)	205
3	नंदयाल-यरगुंटला नई लाइन (126 कि.मी.)	1050
4	जग्गय्यापेटा-मेलाचेरुवु-जनपहाड़ नई लाइन (48 कि.मी.)	737
5	ओबुलावारिपल्ले-कृष्णापट्टनम नई लाइन (113 कि.मी.)	2300
6	विजयनगरम-कोत्तवलसा तीसरी लाइन (35 कि.मी.)	285
7	रायचूर-गुंतकल दोहरीकरण (81 कि.मी.)	388
8	गुंतकल-कल्लूरु दोहरीकरण (41 कि.मी.)	410
9	येलहंका-पेनुकोंडा दोहरीकरण (123 कि.मी.)	1104
10	गूटी-धर्मावरम दोहरीकरण (90 कि.मी.)	1800

आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली और हाल ही में शुरू की गई कुछ परियोजनाएं निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1.	कोटिपल्ली-नरसापुर नई लाइन (57 कि.मी.)	2120
2.	नादिकुडे-श्रीकालाहस्ती नई लाइन (309 कि.मी.)	3122
3.	रायदुर्ग-कल्याणदुर्ग-तुमकुर नई लाइन (207 कि.मी.)	2496
4.	मारिकुप्पम-कुप्पम नई लाइन (24 कि.मी.)	297

5.	मलुगुर-पालसामुद्रम नई लाइन (18 कि.मी.)	342
6.	मलकानगिरी-भद्राचलम-पांडुरंगपुरम नई लाइन (174 कि.मी.)	3592
7.	एर्रुपालेम-अमरावती-नम्बुरु नई लाइन (57 कि.मी.)	2047
8.	कोत्तवलसा-कोरापुट दोहरीकरण (189 कि.मी.)	2500
9.	विजयवाड़ा-गुडूर तीसरी लाइन (287 कि.मी.)	6509
10.	गुंतकल-गुंटूर दोहरीकरण (401 कि.मी.)	4306
11.	येनुकोंडा से धर्मावरम दोहरीकरण (42 कि.मी.)	308
12.	गूटी-पेंदेकल्लु के बीच दोहरीकरण (29 कि.मी.)	352
13.	दुव्वाडा-सिंहाचलम नॉर्थ तीसरी और चौथी लाइन (21 कि.मी.)	356
14.	कोत्तवलसा - विजयनगरम चौथी लाइन (35 कि.मी.)	493
15.	गुडुर-रेणिगुंटा तीसरी लाइन (83 कि.मी.)	877
16.	निर्गुण्डि - पलासा - विजयनगरम तीसरी लाइन (385 कि.मी.)	4,963

पिछले तीन वित्त वर्षों अर्थात् 2022-23, 2023-24, 2024-25 में और वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 6967 कि.मी. की कुल लंबाई वाले 64 सर्वेक्षण कार्य (15 नई लाइन, 49 दोहरीकरण) शुरू कर दिए गए हैं।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्याशित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम मील कनेक्टिविटी
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/सार्वजनिक प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालन संबंधी आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- कुल निधियों की उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी मंजूरी**
- **बाधक जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक क्लीयरेंस**
- **क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक स्थिति**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **विशिष्ट परियोजना स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि**

ये सभी कारक परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

*****